लोक सभा अध्यक्ष ने एमिटी यूथ फेस्टिवल 2021 को ऑनलाइन संबोधित किया

*

देश के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा एक अनिवार्य कारक है: लोक सभा अध्यक्ष

*

शून्य से मंगलयान तक की हमारी यात्रा रही है, उपनिषद से उपग्रह तक का सफर हमने तय किया है: लोक सभा अध्यक्ष

*

नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास ही समाज को गति एवं ऊर्जा दे रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

*

सपनों को संकल्प में बदलने और संकल्प को सिद्धि में बदलने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है: लोक सभा अध्यक्ष

*

नई दिल्ली, 11 मार्च, 2021: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास से एमिटी यूथ फेस्टिवल 2021 को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। यह कार्यक्रम एमिटी विश्विद्यालय उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री नीलकंठ तिवारी जी ने भी भाग लिया।

अपने संबोधन के आरम्भ में श्री बिरला ने सभी को महा शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। देश के विकास के बारे में श्री बिरला ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा एक अनिवार्य कारक है और इस क्षेत्र में सरकार के सभी प्रयासों के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी आवश्यक है। ऐसे में एमिटी जैसी शिक्षण संस्थाएं बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराती हैं तथा छात्रों को अध्ययन के लिए उपयुक्त माहौल एवं अवसर प्रदान करती हैं, इसके लिए वे निश्चित ही साधुवाद के पात्र हैं।

विज्ञान के क्षेत्र में भारत के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि शून्य से मंगलयान तक की हमारी यात्रा रही है, उपनिषद से उपग्रह तक का सफर हमने तय किया है। ऐसी उपलब्धियां गौरवान्वित करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज का समाज टेक्नोलॉजी ड्रिवन है। नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी, और कौशल विकास ही समाज को गति एवं ऊर्जा दे रहे हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि हम अपनी सभ्यता और संस्कृति की जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विज्ञान, कला और तकनीक के शिखर की ओर अग्रसर हों।

देश की युवा शक्ति के विषय में श्री बिरला ने कहा कि हमारे युवाओं में सपने देखने की क्षमता है। इन सपनों को संकल्प में बदलने और संकल्प को सिद्धि में बदलने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। ये शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के इंटेलेक्चुअल, अकादमिक और फिजिकल डेवलपमेंट को निखारते हैं और उन्हें नई परिस्थितियों और नई चुनौतियों का सामना करने के योग्य बनाते हैं।

युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि किसी भी देश की उन्नति वहां की युवा शक्ति पर निर्भर करती है। जिस देश का युवा जितना जागृत, जितना शिक्षित और होनहार होता है, वह देश उतनी ही तरक्की करता है। युवा शक्ति के संबंध में युवाओं के अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 'युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है' ।

नई पीढ़ी में नेतृत्व बल विकसित करने पर श्री बिरला ने कहा कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाना भी बहुत आवश्यक है। 'नेशनल यूथ पार्लियामेंट' एक ऐसा ही कदम है, जिसका आयोजन जनवरी माह में संसद भवन में युवा दिवस के अवसर पर किया गया था।

श्री बिरला ने आगे कहा की युवाओं में संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री जी ने "अपने संविधान को जानें" का मंत्र दिया था। हमारा लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब संवैधानिक आदर्शों को आत्मसात करते हुए युवा पीढी की लोकतांत्रिक गतिविधियों में भागीदारी बढेगी।

युवा शक्ति और ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए श्री बिरला ने कहा की आज भारत का हर युवा एक 'वैश्विक पहचान' बनता जा रहा है; ऐसे में युवाशक्ति की जिम्मेदारी अपने राष्ट्र के प्रति और समस्त मानवता के प्रति और बढ़ जाती है।

युवा पीढ़ी को आह्वान करते हुए श्री बिरला ने कहा की मैं समझता हूँ कि आज का दिन यहाँ उपस्थित युवा शक्ति के लिए एक संकल्प लेने का दिन है कि 'हम अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत पर अपने वैभवशाली भविष्य की नींव रखेंगे । दरअसल इस प्रकार के कार्यक्रम देश की युवाशक्ति को नई दिशा देते हैं और निश्चय ही एमिटी विश्वविद्यालय उसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।